International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 5, (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हाईस्कूल स्तर के छात्र एवं छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन

राजलक्ष्मी
शोधार्थी, शिक्षा संकाय, आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रो., (डॉ.) मोहन सिंह पंवार
विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, आर.के.डी.एफ. विश्वविद्यालय, भोपाल

प्रस्तुत शोध पत्र में हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के लिए न्यादर्श के रूप में कक्षा 9वीं व 10वीं में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों (100 छात्र एवं 100 छात्राओं) का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा कर उन पर विद्याभारती प्रकाशन, जबलपुर की 'नैतिक मूल्य मापनी' का प्रशासन किया गया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के मध्य नैतिक मूल्य–ईमानदारी/विनम्रता एवं समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि छात्र व छात्राओं के मध्य नैतिक मूल्य–लगनशीलता/मानवता में सार्थक अंतर पाया गया।

हमारा देश अत्याधिक प्राचीन संस्कृति वाला देश है, जिसमें हमेशा ही मनुष्य के जीवन में नैतिकता व चरित्र को प्रधानता दी गयी है, और सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र रहे हैं, किंतु विगत वर्षों में हमारे समाज में मूल्यों में गिरावट महसूस की गई है। आज हमारा देश संक्रमण काल से गुजर रहा है तथा भारतीय और वैश्विक संस्कृति के मध्य मूल्यों के चयन की समस्या आ गयी है। आज हम नैतिकता एवं सादगी जैसे विचार त्यागकर भौतिकतावाद के मकड़जाल में उलझते जा रहे हैं, परिणामस्वरूप आज हर तरफ भ्रष्टाचार, बेईमानी, शोषण, कुविचार, हिंसा जैसे दुर्गुण समाज में पनपते जा रहे हैं एवं सहिष्णुता, ईमानदारी, सदाचार जैसे सद्गुणों का लोप होता जा रहा है। वर्तमान में समाज में आर्थिक विषमता बढती जा रही है जिसके कारण अनेक विषमताएं जीवन मूल्य बनती जा रही हैं, भौतिकवाद की इस अंधी होड़ ने आज नैतिक मूल्यों को भी काफी हद तक प्रभावित किया है,

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 5, (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

व्यक्ति आज किसी भी तरह तमाम सुविधाएं हासिल करना चाहता है चाहे उसके लिये उसे झूठ, रिश्वत, भ्रष्टाचार आदि का सहारा ही क्यों न लेना पड़े, परिणामस्वरूप समाज के नैतिक चरित्र में गिरावट आती जा रही है। जिसका प्रभाव परिवार एवं समाज पर भी पड़ रहा है। बच्चों के चरित्र निर्माण एवं उसके नैतिक मूल्यों के निर्माण से ही देश का निर्माण होता है। अतः यदि हमें बच्चों का उचित चरित्र निर्माण करना है तो उसे ऐसा वातावरण प्रदान करना होगा जिससे उसमें स्वयं अनुकरण के द्वारा उचित नैतिक मूल्यों का विकास हो सके।

प्रस्तुत शोध से संबंधित पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किये गये हैं जैसे – **हनवत (2007)** ने अपने अध्ययन में पाया कि छात्र एवं छात्राओं के नैतिक मूल्यों – ईमानदारी/लगनशीलता/मानवता/विनम्रता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **पाटिल, नलिनी (2009)** ने अनुसूचित जनजाति एवं गैर अनुसूचित जनजाति के बी.एड. प्रशिक्षुओं के मूल्यों का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षतः पाया कि महिला एवं पुरूष प्रशिक्षुओं के मध्य सौन्दर्यात्मक, दार्शनिक, धार्मिक, नैतिक, आर्थिक एवं राजनैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर पाया गया व महिला प्रशिक्षुओं में सौन्दर्यात्मक, दार्शनिक, राजनैतिक एवं आर्थिक मूल्य पुरूष प्रशिक्षुओं की तुलना में उच्च पाये गये जबकि पुरूष प्रशिक्षुओं में धार्मिक एवं नैतिक मूल्य महिला प्रशिक्षुओं की तुलना में उच्च पाये गये। दोनों समूहों के मध्य सामाजिक मूल्य में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **बाकलीवाल एवं अग्रवाल (2009)** ने अपने अध्ययन में पाया की व्यवसाय शिक्षा के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों में लिंग के आधार पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **श्रीवास्तव, नीलम एवं चौधरी, स्वाति (2012)** ने किशोरों के आत्म–प्रत्यय, व्यक्तित्व तथा नैतिक मूल्यों पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि हाईस्कूल में अध्ययनरत छात्र तथा छात्राओं के मध्य नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। **बाजपेयी, आशीष; श्रीवास्तव, अर्चना एवं पाठक, स्वाति (2013)** ने माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्यों–ईमानदारी/मानवता/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि नैतिक

मूल्य–लगनशीलता में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में नैतिक मूल्य–लगनशीलता, छात्रों की तुलना में उच्च पाये गये। **अवस्थी, पूनम एवं खरे, ज्योत्सना (2018)** ने माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्यों– ईमानदारी/लगनशीलता/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि नैतिक मूल्य – मानवता में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में नैतिक मूल्य– मानवता, छात्रों की तुलना में उच्च पाये गये।

उपर्युक्त अध्ययनों से शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों में लिंग भेद का अध्ययन आवश्यक है, जिससे की उनके लिये नैतिक मूल्यों के प्रशिक्षण की उचित व्यवस्था की जा सके।

उद्देश्य :–

1. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–ईमानदारी/लगनशीलता/मानवता/विनम्रता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

1. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–ईमानदारी/लगनशीलता/मानवता/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं है।
2. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

न्यादर्श :– न्यादर्श के रूप में हाईस्कूल स्तर के कक्षा 9वीं व 10वीं में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें से 100 छात्र एवं 1000 छात्राएं हैं।

उपकरण :– उपकरण के रूप में विद्याभारती प्रकाशन, जबलपुर की नैतिक मूल्य मापनी का उपयोग किया गया।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 5, (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

विधि :– सर्वप्रथम भोपाल जिले के हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई तथा इस सूची में से यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा 4 विद्यालयों का चयन किया गया तथा इन विद्यालयों की कक्षा 9वीं व 10वीं में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों (100 छात्र एवं 100 छात्राओं) का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा कर उन पर विद्याभारती प्रकाशन, जबलपुर की 'नैतिक मूल्य मापनी' का प्रशासन किया गया एवं फलांकन कर प्राप्तांकों के आधार पर मॉस्टर शीट तैयार की गई। मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष निकाले गये गये।

परिणामों का विश्लेषण :–

परिकल्पना – 1 : हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–ईमानदारी/लगनशीलता/मानवता/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 01

हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के विभिन्न नैतिक मूल्यों संबंधी तुलनात्मक परिणाम

नैतिक मूल्य	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	'पी' मान
ईमानदारी	छात्र	100	10.21	2.37	1.03	> 0.05
	छात्राएं	100	10.54	2.17		
लगनशीलता	छात्र	100	10.26	2.49	2.32	< 0.05
	छात्राएं	100	11.04	2.27		
मानवता	छात्र	100	11.55	2.30	2.40	< 0.05
	छात्राएं	100	10.73	2.54		
विनम्रता	छात्र	100	10.31	2.31	0.25	> 0.05
	छात्राएं	100	10.23	2.25		

स्वतंत्रता के अंश – 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.97

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – ईमानदारी व विनम्रता में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 1.03, 0.25 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 की अपेक्षाकृत कम हैं जबकि

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 5, (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – लगनशीलता व मानवता में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 2.32, 2.40 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान 1.97 की अपेक्षाकृत अधिक हैं।

अतः इन परिणामों के आधार पर निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – ईमानदारी व विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – लगनशीलता व मानवता में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में नैतिक मूल्य – लगनशीलता, छात्रों की तुलना में बेहतर पाए गये जबकि छात्रों में नैतिक मूल्य – मानवता, छात्राओं की तुलना में बेहतर पाए गये।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में ली गई उपपरिकल्पना 'हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–ईमानदारी/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं है' स्वीकृत की जाती है जबकि उपपरिकल्पना ''हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–लगनशीलता/मानवता में सार्थक अंतर नहीं है'' अस्वीकृत की जाती है। समग्र रूप में उपरोक्त परिकल्पना ''हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य–ईमानदारी/लगनशीलता/मानवता/विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं है।'' आंशिकतः अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना – 2 : हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 01

हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों संबंधी तुलनात्मक परिणाम

नैतिक मूल्य	लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	'पी' मान
समग्र	छात्र	100	42.33	7.03	0.24	> 0.05
	छात्राएं	100	42.54	5.30		

स्वतंत्रता के अंश – 198 0.05 स्तर के लिये निधार्रित न्यूनतम मान – 1.97

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9, Issue 5, (May 2019)
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इसके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 0.24 स्वतंत्रता के अंश 198 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिये निर्धारित न्यूनतम मान क्रमशः 1.97 की अपेक्षाकृत कम है।

अतः इन परिणामों के निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

अतः उपरोक्त परिणामों के परिप्रेक्ष्य में पूर्व में ली गई उपपरिकल्पना ''हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं है'' स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

1. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – ईमानदारी व विनम्रता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्य – लगनशीलता व मानवता में सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्राओं में नैतिक मूल्य – लगनशीलता, छात्रों की तुलना में बेहतर पाए गये जबकि छात्रों में नैतिक मूल्य – मानवता, छात्राओं की तुलना में बेहतर पाए गये।
2. हाईस्कूल स्तर के छात्र व छात्राओं के समग्र नैतिक मूल्यों में सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

// संदर्भ ग्रंथ सूची //

- जैन, शुद्धात्म प्रकाश एवं जैन, ममता (2012) : **मूल्य शिक्षा और उसका शिक्षण,** एच. पी. भार्गव बुक हाऊस, कचहरी घाट, आगरा, पृष्ठ क्रमांक 11, 12, 13
- कुलश्रेष्ठ, एस.पी. (2009) : **मूल्य शिक्षा – क्या क्यों और कैसे** अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा, पृष्ठ क्रमांक 4
- पाण्डेय, रामसकल (2000) **मूल्य शिक्षा के परिप्रेक्ष्य**, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
- शर्मा, आर.ए. (1995) **शिक्षा अनुसंधान**, सूर्या पब्लिकेशंस, मेरठ

- शर्मा, आर.के. व दुबे, श्रीकृष्ण (2007) **मूल्यों का शिक्षण**, राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा
- शर्मा, आर.ए. (1995) **मानव मूल्य एवं शिक्षा**,आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
- शर्मा, बी.एल. एवं माहेश्वरी, बी.के. : **पर्यावरण एवं मानव मूल्यों के लिये शिक्षा**, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ, नवीन संस्करण
- श्रीवास्तव, डी.एन. (नवीन संस्करण) **सांख्यिकी एवं मापन**, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

जर्नल्स एवं सर्वे –

- **अवस्थी, पूनम एवं खरे, ज्योत्सना (2018)** ''माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन'', *इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स एण्ड सोशल साइंस, वॉल्युम 5, इश्यु 3, मार्च 2018, पेज नम्बर 680–683*
- **बाजपेयी, आशीष; श्रीवास्तव, अर्चना एवं पाठक, स्वाति (2013)** ''माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं के नैतिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन'', *सामाजिक शोध योजना, वॉल्यूम 1, अंक 2, वर्ष 1, जनवरी 2013, पेज नम्बर 45–50*
- **बाकलीवाल, ममता एवं अग्रवाल, रंजना (2009)** ''व्यवसायिक शिक्षा के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्यों का अध्ययन'', *रिसर्च लिंक – 62, वाल्यूम -VIII (3), मई 2009, 121–123*
- **हनवत, ढाल सिंह (2007)** ''सरस्वती उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिक मूल्य का अध्ययन'', *अभिनव शिक्षा, वाल्यूम –1, नं. 1, अप्रैल 2007, 5–7*
- **Patil, Nalini (2009)** "A study of the value system among tribal and non tribal teacher trainees", *Research Link - 61, Vol. - VIII (2), April 2009, Pg. No. 107-108*
- **Shrivastav, Neelam and Choudhary, Swati (2012) "**A Study of Self-Concept, Personality and Moral Values of Adolescent", *Research Scapes, Volume 1, Issue 3, July-September 2012, Pg. No. 100-102*